पोषण रणनीति पर आयोजित दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

पंतनगर। 12 सितम्बर, 2009। विश्वविद्यालय के रतन सिंह सभागार में गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु पोषण रणनीति' विषय पर आयोजित दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने प्रतिभागी वैज्ञानिकों को सम्बोधित करते हुए जीवन–स्तर में सुधार लाने हेतु पोषण रणनीति के महत्वपूर्ण अनुमोदनों के लिए उन्हें बधाई दी। पारिवारिक स्तर पर भोजन के संशोधित तरीकों और उसकी जागरूकता पर उन्होंने विशेष बल दिया। पोषण सुरक्षा की दृष्टि से संतुलित खाद्य उत्पादन के लिए उचित सस्योत्तर क्रियाओं के बढ़ावा देने को उन्होंने अति महत्वपूर्ण बताया क्योंकि इससे भोजन की उपलब्धता के साथ–साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे और खाद्यान्नों का नुकसान भी कम होगा।

संगोष्ठी के दौरान आयोजित कुल चार तकनीकी सत्रों के अध्यक्ष एवं सह अध्यक्षों ने सत्र की आख्या प्रस्तुत की। प्रथम सत्र की अध्यक्षा, डा. रीता सिंह रघुवंशी, दूसरे सत्र के अध्यक्ष आर्युविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के डा. उमेश कपिल, तीसरे सत्र की डा. नीलम क्षेत्रपाल और चौथे सत्र की अध्यक्ष डा. पद्म वासुदेवन थी। विभिन्न सत्रों के दौरान खाद्य और पोषण के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा की–नोट लेक्चर, मौखिक प्रस्तुतिकरण के साथ–साथ जन स्वास्थ्य पोषण, न्यूट्रीजिनोमिक्स और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर पोस्टर सत्र भी आयोजित किया गया। विशेषज्ञों द्वारा गहन विचार–विमर्श के बाद महत्वपूर्ण अनुमोदनों को अंतिम रूप दिया गया जिससे देश की जनता के पोषण स्तर में सुधार तथा उसके द्वारा जीवन–स्तर में सुधार होगा।

कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न प्रान्तों से आये हुए विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों को उनके द्वारा दिये गये पोस्टर एवं मौखिक प्रस्तुतिकरण के आधार पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. रीता सिंह रघुवंशी ने सभी का स्वागत करते इस दो–दिवसीय संगोष्ठी की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

समापन सत्र में वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट प्रस्तुतियों हेतु पुरस्कृत करते हुए कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट